आएगी मुश्किलें हजार
हमारी राहों में
इसलिए रहेंगे हम
बाबा की पनाहों में
चलते रहेंगे तो मंजिल
जरूर मिलेगी
मन की मुरझाई हर
कली भी खिलेगी
मिल रही है रौशनी
सर्वशक्तिमान से
इस उजाले में कदम
बढायेंगे शान से
डगमगाए कभी तो
खुद को हम सम्भालेंगे
मर्यादा के सांचे में अपने
आपको ढालेंगे
बाबा से किए हर वादे
को हम निभाएंगे
योग बल से सारी
दुनिया पावन बनायेंगे

ॐ शांति